

**अगमनीय वि.** (तत्.) गमन न करने योग्य, न जाने योग्य स्त्री. अगमनीया, अगम्या, जिस स्त्री के साथ संभोग करने का निषेध हो।

**अगम्य वि.** (तत्.) 1. न जाने योग्य 2. जहाँ कोई जा न सके, पहुंच के बाहर 3. गहन, कठिन।

**अगम्या वि.** (तत्.) गमन न करने योग्य स्त्री. (तत्.) संभोग के अयोग्य स्त्री।

**अगर पुं.** (तत्.अगरु) एक पेड़ जिसकी लकड़ी सुगंधित होती है अव्य. (फा.) यदि, योजक शब्द जो शर्त का सूचक होता हो, उदा. 'अगर बारिश बंद हो जाए तो चल निकलेंगे, प्रायः 'अगर' के साथ 'तो' का भी प्रयोग होता है मुहा. अगर-मगर करना- किसी दायित्व से बचने के लिए तर्क-वितर्क या नानुकुर करना।

**अगरई वि.** (देश.) सुगंधित लकड़ी, अगर के रंगवाला, चंदनवर्णी।

**अगरचे क्रि.वि.** (फा.) यदि। यद्यपि।

**अगर-बगर क्रि.वि.** (देश.) दाहिनी और बाईं दोनों ओर। इतस्ततः, आस-पास।

**अगरबत्ती स्त्री.** (तत्.) सुगंध हेतु जलाई जाने वाली बत्ती, अगरु के बुरादे से निर्मित विशेष सीक या बत्ती।

**अगरी स्त्री.** (तद्.) 1. जहर को समाप्त करने वाली वस्तु 2. अनुचित या धृष्टता भरी बात 3. कुशल महिला वि. संग्रह/भंडार

**अगरु पुं.** (तत्.) अगरु की लकड़ी या पेड़।

**अगर्भध्यान पुं.** (तत्.) योग. मंत्रोच्चार के बिना किया गया ध्यान।

**अगर्व वि.** (तत्.) निरभिमान, अहंशून्य।

**अगर्हित वि.** (तत्.) जो गर्हा या निंदा के योग्य न हो।

**अगल-बगल क्रि.वि.** (फा.) 1. दोनों पार्श्व में, दोनों ओर 2. इधर-उधर, आस-पास।

**अगला वि.** (तत्.) 1. आगे का, सामने का 2. आगामी, आनेवाला, भावी प्रयो. अगला वर्ष

मंगलमय हो 3. दूसरा, इसके बाद वाला, एक के बाद का प्रयो. अगले बच्चे को बुलाओ।

**अगली सुनवाई स्त्री.** (तत्.) किसी मामले के स्थगन के बाद होने वाली दूसरी सुनवाई।

**अगवा वि.** (तद्.) आगे, अगाड़ी पुं. (तद्.) अपहृत उदा. हर दिन अखबार में बच्चों का अगवा करने का कोई-न-कोई मामला दिखाई पड़ जाता है।

**अगवाई, अगुवाई स्त्री.** (तद्.) 1. दे. अगवानी 2. पथप्रदर्शन।

**अगवाड़ा पुं.** (तद्.) घर के आगे का भाग, द्वार के सामने की भूमि विलो. पिछवाड़ा।

**अगवानी स्त्री.** (तद्.) 1. आगे बढ़ कर स्वागत करना प्रयो. जब बारात आई तो कन्या पक्ष के लोगों ने सभी मेहमानों की अगवानी की।

**अगवार पुं.** (तद्.) खलिहान में निकाले गए अन्न का वह भाग जो ब्राह्मण और हलवाहे को देने के लिए पहले ही अलग निकाल कर रख दिया जाता है, अग्रहार।

**अगस्त पुं.** (अं.) 1. ग्रेगोरीयन कैलेंडर का आठवां महीना जिसका नामकरण संत ऑगस्टस के नाम पर किया गया था, इसके आसपास भाद्रपद मास पड़ता है 2. पुं. (तद्.) अगस्त्य ऋषि 3. अगस्त्य नक्षत्र।

**अगस्त्य पुं.** (तत्.) 1. वेदों-पुराणों में उल्लिखित प्रसिद्ध कुंभज ऋषि 2. एक तारा।

**अगस्त्य-दर्शन पुं.** (तत्.) सूर्य की कन्या-राशि में स्थिति होने पर रात्रि में अगस्त्य तारे के देखने के लिए दर्शन-पूजन की धार्मिक क्रिया।

**अगहन पु.** (तद्.) अग्रहायण, मार्गशीर्ष का महीना।

**अगाड़ी क्रि.वि.** (तद्.) 1. आगे आने वाले समय में, भविष्य में 2. सम्मुख, समक्ष, आगे, सामने 3. अग्रिम, पहले विलो. पिछाड़ी प्रयो. साहब के अगाड़ी और घोड़े के पिछाड़ी होना ठीक नहीं।

**अगाड़ू क्रि.वि.** (तद्.) आगे, पहले दे. अगाड़ी।